Academic Council Meeting at ICAR-CIFE

The 55th meeting of the Academic Council of ICAR-CIFE was held on 4th January, 2020. Dr. Gopal Krishna, Director & Vice-Chancellor, Dr. R.C. Aggarwal (DDG Edu.), Dr. Chindi Vasudevappa (Vice Chancellor, NIFTM, Haryana), Dr. Kuldeep K. Lal (Director, NBFGR, Lucknow), Dr. N.P. Sahu (Dean, CIFE), Dr. Rama Sharma (Associate Dean, CIFE), Heads of Divisions and faculty members of the council were present. Dr. Gopal Krishna presented a brief account of PG and doctoral programs, student research and training, annual student convention and industry meets at CIFE. The academic council held a series of discussions on the strengths and weaknesses of different programs, roadmaps for the academic reforms and introduction of online MOOC's courses through SWAYAM Portal. It was also suggested that the University Coffee-Table book should focus on student activities such as the technology developed, placements, commercialization of products/technologies etc. for bringing better impact.

भा.कृ.अनु.प.-केन्द्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान में शैक्षणिक परिषद की बैठक

भा.कृ.अनु.प.-केन्द्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान की शैक्षणिक परिषद की 55 वीं बैठक 4 जनवरी, 2020 को आयोजित की गई । डॉ. गोपाल कृष्णा, निदेशक तथा कुलपति, डॉ. आर. सी.अग्रवाल (उप महानिदेशक शैक्षणिक), डॉ. चिंदी वासुदेवप्पा (कुलपति, एन.आई.एफ.टी.एम., हरियाणा), डॉ. कुलदीप के. लाल (निदेशक, एन.बी.एफ.जी.आर., लखनऊ), डॉ. एन.पी. साहू (अधिष्ठाता, के.मा.शि.सं.), डॉ. रमा शर्मा (सह- अधिष्ठाता, के.मा.शि.सं.), विभागाध्यक्ष और परिषद के संकाय सदस्य उपस्थित थे। निदेशक / कुलपति ने भा.कृ.अनु.प.-केन्द्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान में स्नातकोत्तर एवं डॉक्टरेट कार्यक्रमों, छात्र अनुसंधान और प्रशिक्षण, उद्योग एवं वार्षिक छात्र सम्मेलन बैठकों का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत किया। शैक्षणिक परिषद ने विभिन्न कार्यक्रमों की क्षमता और कमजोरियों, शैक्षणिक सुधारों के लिए रोडमैप और SWAYAM पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन MOOC's के पाठ्यक्रमों की शुरूआत पर कई चर्चाएं कीं। यह भी सुझाव दिया गया था कि विश्वविद्यालय कॉफी-टेबल पुस्तक में बेहतर प्रभाव लाने के लिए छात्र गतिविधियों जैसे प्रौद्योगिकी विकसित, प्लेसमेंट (नौकरी), उत्पादों / प्रौद्योगिकियों के व्यवसायीकरण आदि पर विशेष ध्यान केंद्रित करना होगा ।